कृषि मौसम सेवा

कृषि जलवायु क्षेत्र विंध्य पठार (सागर, दमोह, भोपाल, सीहोर, रायसेन, विदिशा), मालवा पठार (उज्जैन, इन्दौर, मन्दसौर, रतलाम, शाजापुर, राजगढ़, देवास, नीमच), झाबुआ पहाड़ (झाबुआ, अलीराजपुर, धार) तथा निमाड़ घाटी (खरगौन, बुरहानपुर, हरदा, बड़वानी, खण्डवा) के लिये जारी।

मौसम पूर्वानुमान की वैद्यताः 28 अक्टूबर, 2017 से 1 नवम्बर, 2017

- **विंध्य पठार क्षेत्र** में अधिकतम तापमान लगभग 33–36 ^{0}C एवं न्यूनतम तापमान लगभग 16–19 ^{0}C रहने की एवं वर्षा नहीं होने की संभावना है। आसमान साफ बादल छाये रहने की संभावना है।
- **मालवा पठार क्षेत्र** में अधिकतम तापमान लगभग 33–36 ^{0}C एवं न्यूनतम तापमान लगभग 16–20 ^{0}C रहने की एवं वर्षा नहीं होने की संभावना है। आसमान में साफ बादल छाये रहने की संभावना है।
- **झाबुआ पहाड़ क्षेत्र** में अधिकतम तापमान लगभग 33–35 ^{0}C एवं न्यूनतम तापमान लगभग 17–19 ^{0}C रहने की एवं वर्षा नहीं होने की संभावना है। आसमान में साफ बादल छाये रहने की संभावना है।
- **निमाड़ घाटी क्षेत्र** में अधिकतम तापमान लगभग 32–35 ^{0}C एवं न्यूनतम तापमान लगभग 16–20 ^{0}C रहने की एवं वर्षा नहीं होने की संभावना है। आसमान में साफ बादल छाये रहने की संभावना है।

किसान भाईयों के लिए कृषि परामर्शः

विंध्य पठार

- मसूर की उन्नत किस्में– आर.व्ही.एल.–31, जे.एल.–2 आदि के बीज की व्यवस्था कर बुवाई करें।
- अमरुद एवं बेर में फल मक्खी कीट की रोकथाम करें। सिंचाई हेतु थाला बनाकर खाद एवं उर्वरक दें।
- टमाटर, मिर्च, बैंगन, पत्तागोभी एवं फूलगोभी आदि रबी मौसमी सब्जियों की नर्सरी बनाकर पौध की तैयारी करें।
- पशुओं के हरे चारे के लिए जवाहर बरसीम जे.बी.–1, जे.बी.–5/ बुन्देल बरसीम–3 / वरदान तथा आनन्द–2, टी–9 आदि बोए।
- बकरियों में पी.बी.आर. का टीकाकरण अवश्य करवाऐं।

मालवा पठार

- चने की बोनी के लिये उकठा प्रतिरोध प्रजतियों जैसे जेजी 130, जेजी 218, जेजी 11, जेजी 16 एवं जेजी 6 के बीज की व्यवस्था करें।
- अमरूद में तना छेदक के नियंत्रण के उपाय करें। अमरूद, अनार और नींबू की कटाई एवं छटाई करें। रस चूसने वाले कीट के नियंत्रण के लिये नीम का तेल 5 मिली./15 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- पशुओं को साफ एवं ताजा पानी दिन में तीन बार दें, साथ ही हरा चारा दें।
- बकरियों में पी पी आर राग के नियंत्रण के लिये टीका लगवायें।

झाबुआ पहाड

- खाली खेतों मे नमी को देखते हुए तैयार चना, सरसों व असिंचित एवं अर्द्धसिंचित गेंहूँ (अगेती) की बुआई करें।
- चना की बुवाई से पहले 2 ग्राम थायरम एवं 1 ग्राम कार्वेण्डाजीन प्रति किग्रा बीज से उपचारित करे फिर 5 ग्राम राइजोबियम एवं 5 ग्राम पीएसबी कल्चर प्रति किग्रा बीज की दर से उपचारित करे।
- टमाटर, भिण्डी, मिर्च, बैगन आदि मे प्ररोह एवं फलछेदक इल्ली की रोकथाम के लिए ट्रायजोफास दवा 2.0 मिली/ली का छिडकाव करें।
- पशुओं को साफ, सूखे एवं हवादार स्थान मे रखें। पशुओं को कृमिनाशक दवा पिलाए।

निमाड घाटी

- सब्जियों में रस चूसक कीटों की रोकथाम के लिए नीम तेल 50 मिली./पम्प का छिड़काव करें।
- कपास की फसल में (90 दिन की अवस्था में) यूरिया की 20 किलो/एकड़ मात्रा का उपयोग जड़ क्षेत्र में 6 इंच गहराई पर करें।
- पशुओं को किलनी एवं जूं से रक्षा हेतु मेलाथियान/क्लीनर/ब्यूटाक्स का 2 मिली/लीटर पानी में घोल कर उनके शरीर के ऊपर लगाएं।

डॉ. एम.के. त्रिपाठी
सहायक प्राध्यापक (भौतिकी एवं मौसम विज्ञान)
कृषि अभियांत्रिकी विभाग
कृषि महाविद्यालय, ग्वालियर (म0प्र0)

डॉ. एच.एस. भदौरिया
नोडल अधिकारी
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
रा.वि.सिं. कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म0प्र0)